भजन

हे प्राणों के हो प्रीतम तेरी अंगना करे पुकार,
पिया ले चलो पार के पार

1–मैं अंगना हूँ तुम मेरे स्वामी,तेरी लीला किसी ने न जानी
जिस हाल में राखो पिया जी,हमे हर पल है स्वीकार
हे प्राणों के हो

2–है परमधाम जो न्यारा,कब देखेंगी वो नज़ारा
है आस यहीं फरियाद यहीं,बस ना करना इंकार
हे प्राणों के हो

3–नित तेरा ही दर्शन पायें,नित जमुना जी में नहायें
यही अर्जी लेकर आयी हैं,मिलता रहे तेरा प्यार
हे प्राणों के हो